

**Ans. (a)** वोलेस्टोनाइट एवं तामड़ा के उत्पादन में राजस्थान का देश में लगभग एकाधिकार है। वोलेस्टोनाइट का प्रयोग पेंट, कागज व सिरेमिक उद्योग में किया जाता है। गारनेट या तामड़ा के दो प्रकार होते हैं, जेम और ऐबरेसिबा इसका उत्पादन टोंक, भीलवाड़ा व अजमेर जनपद में किया जाता है।

**1157. राजस्थान में लिग्नाइट कोयला उत्पादन के प्रमुख क्षेत्र है-**

- बांदर सिंदरी एवं मेड़ता
- आगूचा एवं सोनु
- कोलायत एवं किशनगढ़
- बरसिंगसर एवं कपूरड़ी

**Live Stock Assistant (Non TSP Area)- 21.08.2016**

**Ans. (d)** लिग्नाइट किस्म के कोयले का उत्पादन राजस्थान के बरसिंगसर (बीकानेर), कपूरड़ी (बाड़मेर) में होता है। लिग्नाइट कोयला कार्बन की सबसे कम सांद्रता वाला निम्नतम ग्रेड का कोयला है। लिग्नाइट कोयले का ताप कम होता है और नमी की मात्रा अधिक होती है, इसका उपयोग मुख्य रूप से बिजली उत्पादन के लिए किया जाता है।

**1158. सूची - I को सूची- II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए-**

सूची - I (खनिज)	सूची- II (खनन क्षेत्र)
(a) ताँबा	1. राजपुरा-दरीबा
(b) सीसा एवं जस्ता	2. नाथरा-की-पाल
(c) बेरिलियम	3. खो-दरीबा
(d) लौह-अयस्क	4. बांदरे-सींदरी

**सही उत्तर है-**

	A	B	C	D
(a)	3	4	2	1
(b)	2	3	4	1
(c)	1	2	4	3
(d)	3	1	4	2

**Patwar Exam-2016 (Main) -24.12.2016**

**Ans. (d)** सही सुमेलन इस प्रकार है-

खनिज	खनन क्षेत्र
ताँबा	- खो-दरीबा
सीसा एवं जस्ता	- राजपुरा-दरीबा
बेरिलियम	- बांदरे सींदरी
लौह-अयस्क	- नाथरा-की-पाल

**1159. 'नाथरा-का-पाल' में किस धात्विक खनिज के भण्डार हैं?**

- सीसा
- टंगस्टन
- लोहा
- ताँबा

**उद्योग निरीक्षक भर्ती परीक्षा- 2018 (24 जून, 2018)**

**Ans. (c)** नाथरा-की-पाल में 'लोहा' खनिज का भण्डार है। राजस्थान में मुख्यतः हैमेटाइट व लिमोनाइट किस्म का लौह अयस्क प्राप्त होता है। राजस्थान में सर्वाधिक लोहा जयपुर से जबकि सर्वाधिक कच्चा लोहा कानपुरा से निकलता है। राजस्थान में अन्य लोहा उत्पादक क्षेत्र- चौमूं, मौरिजा-बनोला (जयपुर) डाबला-सिंधाना (झुंझुनू) नाथरा की पाल, थूर हुण्डेर (उदयपुर)

**1160. राजस्थान में रॉक फॉस्फेट और जिप्सम खनिजों की प्रचुरता है परन्तु कोयला संसाधन की कमी है। राज्य का रासायनिक खाद प्राप्त करने के लिए लाभदायक होगा कि-**

- भारत के अन्य राज्यों से कोयला आयात किया जाए
- भारत के अन्य राज्यों में बिजली आयात की जाए
- भारत के अन्य राज्यों को रॉक फॉस्फेट और जिप्सम का निर्यात कर दिया जाए
- राजस्थान में रॉक फॉस्फेट और जिप्सम के परिशोधन कारखाने लगाए जाए

**उत्तर - (d)**

**RPSC RAS/RTS-1992**

**व्याख्या -** भारत के 90% जिप्सम तथा 56% रॉक फॉस्फेट का उत्पादन राजस्थान में होता है। जिप्सम मुख्यतः नागौर क्षेत्र, बीकानेर-गंगानगर-चुरू क्षेत्र एवं जैसलमेर-पाली-बाड़मेर-जोधपुर में तथा रॉक फॉस्फेट जैसलमेर, सीकर, जयपुर, अलवर एवं बांसवाड़ा में पाया जाता है। ये दोनों खनिज रासायनिक खाद प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण हैं अतः इन खनिजों के परिशोधन के कारखाने स्थापित करने से राजस्थान को रासायनिक खाद प्राप्त हो सकेगी।

**1161. राजस्थान में ताँबे का विशाल भण्डार स्थित है-**

- डीडवाना क्षेत्र में
- बीकानेर क्षेत्र में
- उदयपुर क्षेत्र में
- खेतड़ी क्षेत्र में

**उत्तर-(d)**

**RPSC RAS/RTS-1993**

**व्याख्या-** राजस्थान के खेतड़ी क्षेत्र में ताँबे का विशाल भंडार स्थित है। खेतड़ी में ताँबा गलाने के प्लांट की कार्य क्षमता 30 हजार टन है, जिसके भविष्य में और बढ़ने की सम्भावना है।

**1162. जिनके उत्पादन में भारत में राजस्थान का स्थान प्रथम है, वे हैं-**

- रॉक फॉस्फेट, टंगस्टन एवं जिप्सम
- ग्रेनाइट, संगमरमर एवं बलुआ-पत्थर
- सीसा, जस्ता एवं ताँबा
- अभ्रक, घिया पत्थर एवं फ्ल्यूराइड

**उत्तर - (a)**

**RPSC RAS/RTS 1944-95**

**व्याख्या-** रॉक फॉस्फेट, टंगस्टन एवं जिप्सम उत्पादन में राजस्थान भारत में प्रथम स्थान पर है। नागौर जिले के डेगाना (राजस्थान) में देश की एक मात्र टंगस्टन खान स्थित है। देश में पाये जाने वाले जिप्सम का लगभग 90% से अधिक जिप्सम सिर्फ राजस्थान में पाया जाता है। यहां जिप्सम के तीन सबसे प्रमुख क्षेत्र इस प्रकार हैं - बीकानेर - चुरू क्षेत्र, नागौर क्षेत्र, जैसलमेर-बाड़मेर-जोधपुर क्षेत्र। बीकानेर के समीप जामसर में राज्य का सबसे बड़ा जिप्सम भण्डार है। राजस्थान में रॉक फॉस्फेट की खानें उदयपुर जिले में पायी जाती हैं।

**1163. बाड़मेर जिले में लिग्नाइट पर आधारित 1000 मेगावाट शक्ति परियोजना का प्रस्तावित स्थान है-**

- कापुर्डी
- जालिपा
- बाड़मेर
- चोटन

**उत्तर - (b)**

**RPSC RAS/RTS 1944-95**